बाल संरक्षण

संस्था का विवरण

संस्था का नामः	मानव अधिकार प्रोटेक्शन आर्गेनाईजेशन
पंजीकरण संख्याः	एस.–56392
संस्था का पता –	प्रशासनिक कार्यालय सी–4/95–96, न्यू कोंडली मयूर विहार फेस–3, दिल्ली–110096 मो0 न0 –9311374666
	मुख्य कार्यालय 301 खनेजा काम्प्लेक्स, मेन मार्केट, शकरपुर दिल्ली–110092 टेली फैक्स : 011–43685240,मो0 न0 –9311374666
संस्था का कार्यक्षेत्र	सम्पूर्ण भारत

संस्था के उद्देश्यः

1. मानव कल्याण हेतु समाज में जन चेतना लाने का प्रयास करना।
2. मानव की, मौलिक की एवं मानव कल्याण, साहित्य लेखन, मुद्रण या प्रचार/प्रसार करना तत् संबंधी पुस्तकालयों/वाचनालयों की स्थापना करवाना।
3. भारत सरकार द्वारा पारित राष्ट्रीय मानव अधिकार अधिनियम 1993 का जन–जन तक प्रसार करना ताकि मानव जाति का सभी लाभ उठा सकें।
4. सभी मानव जाति के नैतिक, बौद्धिक, मानसिक, शैक्षणिक, शारीरिक, चारित्रिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विकास हेतु संस्था द्वारा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्थापना करना।
5. समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने में शासन/प्रशासन को सहयोग देना।
6. बाल संरक्षण के अन्तर्गत बाल मजदूर, बाल विवाह तथा बाल्यवस्था में नशीले पदार्थों का सेवन की रोकथाम करना आदि।
7. बाल मजदूरी तथा पेशेवर भिखारीपन में लिप्त बच्चों का पुर्नवास करना।
8. बाल मजदूरी न करवाने के लिए समाज में जागरूकता पैदा करना।
9. महिलाओं को समाज में आदर, सम्मान दिलाने का प्रयास करना।
10. देश भर में संस्था के कार्यालय स्थापित करके मानव कल्याण, मानव शान्ति, मानव सद्भावना, मानव एकता, एवं मानव अधिकारों के सुरक्षा संबंधि सम्पूर्ण कार्य करना तथा

समाज में भ्रष्टाचार उन्मूलन में केन्द्रीय व राज्य शासन/प्रशासन को सहयोग प्रदान करना।

मुख्यतः बाल संरक्षण के अन्तर्गत संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्य तथा योजनाओं का विवरणः–

संस्था अधिकार की मांग के साथ–साथ कर्तव्य पालन भी आवश्यक समझती है तथा ऐसा मानती है कि समाज के प्रति समाज में रहने वाले हर व्यक्ति का उत्तरदायित्व है

संस्था के अनुसार बाल मजदूरी समाज के अभिशाप है, बच्चे परिवार, समाज, राज्य और देश के भविष्य होते है लेकिन तब जब परिवार, समाज, राज्य और देश उन्हें मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराए किन्तु जब यही बच्चे 14 वर्ष से कम उम्र में ही अपने परिवार के सदस्यों के भरण–पोषण के लिए हाड़ तोड़ मेहनत करने के लिए मजबूर हो जाए तो उन्हें परिवार, समाज, राज्य और देश का भविष्य कैसे कहा जा सकता है? देश में मेहनत मजदूरी कर परिवार के सदस्यों को सुविधएं उपलब्ध कराने वाले बाल श्रमिकों की संख्या में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है देश में छः करोड़ से अधिक बच्चे मजदूरी करते है और इतने ही लोग देश में बेरोजगार है सस्ती मजदूरी की वजह से बाल मजदूरी बढ़ रही है लेकिन उन लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है जिनके पास कोई काम नहीं होता । गरीबी और बाल मजदूरी का मुख्य कारण अशिक्षा है बाल मजदूरी दूनिया भर की समस्या है लेकिन भारत में बाल मजदूरों की दशा सबसे खराब है "मानव अधिकार प्रोटेक्शन आर्गेनाइजेशन" का उद्देश्य ऐसे बच्चे जिनका बचपन बाल मजदूरी की वजह से बराबाद हो रहा है; उन्हें सुरक्षा सम्मान एवं शिक्षा दिलाना है इसके तहत संस्था द्वारा अभियान चलाए जा रहे है

संस्था द्वारा बाल मजदूरी तथा भिखारीपन को समाप्त करने तथा इसमे लिप्त बाल मजदूरों के पुर्नवास हेतु समस्त भारत वर्ष में अभियान चलाया जा रहा है जिसका प्रारम्भ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में किया जा चुका है इसमें राजधानी दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मुख्यतः गुड़गांव, फरीदाबाद, गाजियाबाद तथा गौतम बुद्ध नगर में सर्वेक्षण तथा पुर्नवास कार्य गतिशील है

योजना :– संस्था द्वारा जिले स्तर पर गठित की गई टीमें बाल मजदूरी एवं भिखारीपन में लिप्त बच्चों की खोज कर उनके निवास स्थान तथा परिवारजनों की विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त करती हैं तत्पश्चात उनके निवास स्थलों पर जाकर उनके परिवारजनों से पूर्ण जानकारी लेकर कार्यालय को सौंप देती है संस्था इन बच्चों के परिवारजनों को बाल मजदूरी न करवाने के लिए प्रेरित करती है तथा बच्चों को उनके अधिकारों हेतु जागरूता प्रदान करती है इस प्रेरणा से प्रेरित बच्चों के लिए मुफ्त प्ररिम्भक शिक्षा, भोजन, वस्त्र तथा रोज मर्रा की आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराती है जिसका खर्च संस्था के सदस्य या संस्था द्वारा अपनाई गई धनोत्पार्जन हेतु रणनितियों द्वारा किया जाता है संस्था गत समय तक आर्थिक मदद हेतु सरकार पर परजीवी होने के बजाय स्वयं कार्य कर अपनी पूर्ण उर्जा के साथ समाज के उत्थान में निरंतर कार्यरत है

चलायी जा रही योजना के कुछ छायाप्रतियां

Teams Educating the parents of the Children Engaged in beggary

The Parents Agreed

They Said, 'Yes" to Studies

The First step for a bright future- Their classes began

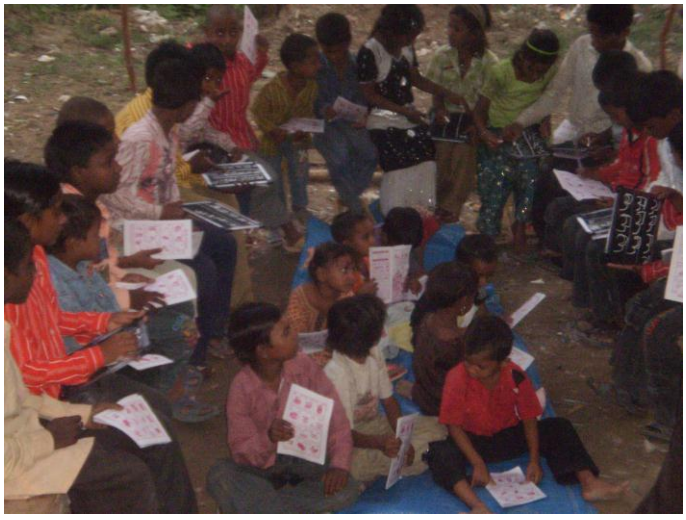

Said "No" to Bribe-Their Protest against corruption

Prepared to fight against any obstacle

We care for them-Clothes distribution

We will overcome one Day, Keep in the heart –I do believe